# Courses of Study

# and

# Scheme of Marking

## Class – VIII

## "2020-2021"

# THINGS TO REMEMBER FOR A QUALITY LIVING

- सत्यं वद।
  Speak the truth
- धर्मं चर।
  Lead a religious life.
- मातृ देवो भव।
  Treat your Mother as God.
- पितृ देवो भव।
  Treat your father as God.
- आचार्य देवो भव।
  Treat your teacher as God.
- अतिथि देवो भव।
  Treat your Guest as God.
- ओ३म् असतो मा सद्गमय।
  तमसो मा ज्योतिर्गमय।
  मृत्योर्मामृतं गमय।
  O Lord! Lead me from Unreal
  to Real, from Darkness to Light,
  from Death to Immortality

Activate Windows
Go to Settings to activate Windows.

# TEN PRINCIPLES OF THE ARYA SAMAJ

1. God is the primary source of all true knowledge and of all that can be known through it.
2. God is Existent, Intelligent and Blissful. He is formless. Almighty, Just, Merciful, Urborn, Infinite, Unchallengeable, Beginningless, Incomparable, the Support and Lord of all, Omniscient, Imperishable, Immortal, Fearless, Eternal, Holy and the Maker of the universe. To Him alone worship is due.
3. The Vedas are scriptures of true knowledge. It is the duty of the Aryas to read them, hear them being read and recite them to others.
4. We should always be ready to accept the truth and give up untruth.
5. All actions should be performed in conformity with Dharma, that is, after due consideration of right and wrong.
6. The primary aim of the Arya Samaj is to do good for all, that is, to promote their physical, spiritual and social well-being.
7. We should treat all people with love, fairness and due regards for their merit.
8. One should aim at dispelling ignorance and promoting knowledge.
9. One should not only be content with one's own welfare, but should look for it in the welfare of others also.
10. One should regard oneself under restriction to follow altruistic rulings of the society, while all should be free in following the rules of individual welfare.

Activate Windows
Go to Settings to activate Windows.

# हिंदी (Higher)

## कक्षा–VIII

भाषा अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है जिसके द्वारा हम जीवन को समझते हैं, उससे जुड़ते हैं और जीवन–जगत को प्रस्तुत करते हैं। भाषा विद्यार्थी के भाषा–बोध और साहित्य–बोध को विकसित करने में सहायक है। यह उसके ज्ञान क्षेत्र को इतना विकसित कर देती है कि वह किसी भी विषय के बारे में अपनी स्वतंत्र राय बनाने तथा अभिव्यक्त करने में सक्षम होता है।

### भाषा शिक्षण के उद्देश्य

- दैनिक जीवन में भाषा संबंधी कौशल (सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना) का विकास कर सकेंगे।
- भाषा एवं साहित्य की विविधता से परिचित हो सकेंगे।
- भाषा का साहित्यिक एवं व्यावहारिक प्रयोग कर सकेंगे।
- व्याकरण के अनुसार भाषा का प्रयोग करेंगे।
- साहित्य पढ़कर आनंद प्राप्त कर सकेंगे।
- कविताओं के भाव एवं शिल्प को समझ सकेंगे।
- मौलिक एवं सृजनात्मक लेखन कर सकेंगे।
- समसामयिक प्रसंगों/संदर्भों को तार्किक ढंग से अभिव्यक्त करेंगे।
- वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दों को समझ सकेंगे।
- वर्णन, विश्लेषण एवं संश्लेषण कर सकेंगे।

Activate Windows
Go to Settings to activate Windows.

# अंक विभाजन प्रणाली

## ( वार्षिक परीक्षा )

| | |
|---|---|
| आंतरिक मूल्यांकन | 20 अंक |
| वार्षिक परीक्षा | 80 अंक |

1. आंतरिक मूल्यांकन

(i) आवधिक परीक्षा 05 अंक

(तीन आवधिक परीक्षा अनिवार्य है जिसमें से किन्हीं दो का औसत भार लिया जाएगा।)

(ii) बहुविध मूल्यांकन 05 अंक

- अवलोकन/पर्यवेक्षण
- मौखिक
- एकल व सामूहिक
- कक्षा परिचर्चा
- क्षेत्रीय कार्य

(iii) पोर्टफोलियो 05 अंक

- पत्रिका/कॉपी
- रखरखाव, पूर्णता, स्वच्छता, विषयानुकूलता

(iv) विषयगत संवर्धन गतिविधि 05 अंक

- सुनने व बोलने का आकलन

## वार्षिक परीक्षा पाठ्यक्रम

## पाठ्य पुस्तकें-ज्ञान सागर एवं अभ्यास सागर

पाठ 1 हम पंछी उन्मुक्त गगन के (कविता)

अनुस्वार, अनुनासिक 'र' के रूप, नुक्ता

पाठ 2 असल धन (कहानी)

तत्सम-तद्भव, विराम-चिह्न, अपठित गद्यांश

पाठ 3 अच्छे पड़ोसी के गुण (निबंध)

उपसर्ग, प्रत्यय

पाठ 4 दोपहरी (कविता)

अलंकार (अनुप्रास, उपमा, रूपक, मानवीकरण)

पाठ 6 आश्रम के अतिथि और संस्मरण (संस्मरण)

भाववाचक संज्ञा, अपठित गद्यांश

पाठ 7 अन्याय के खिलाफ लड़ाई (जीवनी)

वाक्यांश के लिए एक शब्द, वाक्य-शुद्धिकरण

पाठ 8 दोहे (पद्य)

अलंकार (उत्प्रेक्षा, श्लेष, यमक, अतिशयोक्ति)

पाठ 9 जब भोलाराम ने पंप लगाया (व्यंग्य)

विशेषण, प्रविशेषण

पाठ 10 बातचीत की कला (निबंध)

संधि, स्वर संधि

पाठ 11 सितारों से आगे (जीवनी)

समास (तत्पुरुष, द्विगु, द्वंद्व)

पाठ 12 पौधे के पंख (डायरी)

निपात, अपठित गद्यांश

पाठ 13 सूर और तुलसी के पद (पद्य)

अलंकार (पुनरावृत्ति)

पाठ 14 बहू की विदा (एकांकी)

रचना के आधार पर वाक्य भेद

पाठ 15 कामचोर (कहानी)

समास (अव्ययीभाव, कर्मधारय, बहुब्रीहि)

पाठ 17 सोना (रेखाचित्र-संस्मरण)

व्यंजन संधि

पाठ 18 निर्माण (कविता)

अलंकार (पुरावृत्ति)

पाठ 19 जीवन का सच (पत्र)

व्यंजन संधि, अपठित गद्यांश

पाठ 20 ईर्ष्या : तू न गई मेरे मन से (निबंध)

अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद

**केवल पढ़ने के लिए**

पाठ 5 आकाश को सात सीढ़ियाँ (कहानी)

पाठ 16 एक तिनका (कविता)

Activate Wi
Go to Settings t
Windows

## व्यवहारिक व्याकरण

- अनुस्वार, अनुनासिक, नुक्ता
- 'र' के विभिन्न रूप
- उपसर्ग, प्रत्यय
- तत्सम, तद्भव
- शब्द भंडार (पर्यायवाची, विलोम, वाक्यांश के लिए एक शब्द)
- संधि (स्वर एवं व्यंजन संधि)
- समास
- वाक्य विचार (रचना एवं अर्थ के आधार पर)
- वाक्य शुद्धिकरण
- विराम चिह्न
- मुहावरे
- अलंकार